10. जापान

तुमने कई बार जापान के बारे में सुना होगा। उस देश की बनी कई सारी चीज़ें - जैसे रेडियो, टेपरिकार्डर, टी.वी. और विडियो बहुत जानी मानी हैं। शायद तुमने इनमें से कुछ देखी भी होंगी।

जापान एक बहुत ही छोटा देश है। उसके अधिकांश भाग पहाड़ी हैं तथा वनों से ढके हैं। वहां खेतिहर भूमि बहुत कम है और खनिज भी बहुत कम मिलते हैं। फिर भी आज जापान विश्व के सबसे धनी देशों में से एक है। जापान के कारखानों में तरह-तरह की चीज़ें बनती हैं जो विश्व भर में बिकती हैं।

इस पाठ में हम देखेंगे कि जापान के लोगों ने कैसे ऐसी कमियों के होते हुए भी अपने उद्योगों का विकास किया है।

पाठ में दिये गये चित्रों को एक नज़र देखो। अब अंदाज़ से एक सूची बनाओ - जापान के बारे में इस पाठ में किन-किन बातों पर चर्चा होगी।

कहां है, कैसे पहुंचें

एशिया के नक्शे में जापान को ढूंढो। बताओ वह भारत से किस दिशा में जाने पर मिलेगा?

क्या हम भारत से जापान रेल या बस से जा सकते हैं?

जापान देश के चारों ओर समुद्र हैं। इन समुद्रों को किन नामों से जाना जाता है - एशिया के नक्शे से पता लगाओ।

यह भी देखो कि जापान के आसपास चारों दिशाओं में कौन से देश हैं? उनके नाम लिखो।

इंडोनेशिया की तरह जापान देश भी टापुओं या द्वीपों का बना है। इसमें कई हज़ार छोटे द्वीप हैं, और चार बड़े द्वीप हैं, जिनके नाम हैं - होकाईदो, हान्शू, क्यूशू और शिकोकू। मानचित्र 2 में इन्हें ढूंढो।

ठंड और गर्मी

अब इस बात पर ध्यान दो कि जापान पृथ्वी पर कहां स्थित है। तुमने इंडोनेशिया देश को भूमध्य रेखा के पास पाया था। अब देखो कि जापान भूमध्य रेखा से कितनी

1. एशिया का मानचित्र

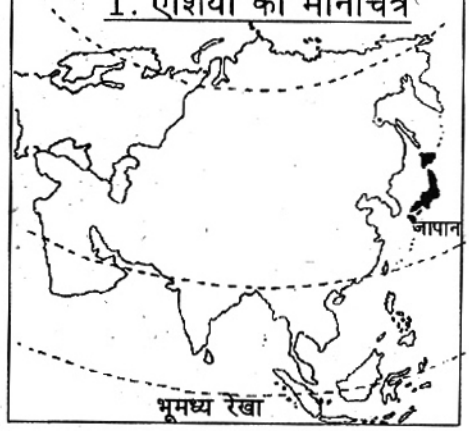

दूर, उत्तर में है। मोटे तौर पर भूमध्य रेखा के निकट के प्रदेशों में साल भर अधिक गर्मी रहती है। जैसे-जैसे हम भूमध्य रेखा से उत्तर या दक्षिण में ध्रुवों की ओर बढ़ते हैं, ठंड बढ़ती जाती है।

भूमध्य रेखा से दूर होने के कारण जापान में कुछ महीने जाड़े के होते हैं और कुछ गर्मी के। वहां पर साल भर में चार ऋतुएं होती हैं।

ठंड के महीनों में (यानी दिसंबर, जनवरी में) जापान में कड़ाके की ठंड पड़ती है। तब कुछ वर्षा भी होती है। जापान के उत्तरी भागों में तो हिमपात होता है और पूरा प्रदेश हिम से ढक जाता है।

मार्च के महीने से जापान में बसंत ऋतु शुरू होती है। इस ऋतु में हिम पिघल जाती है। ठंड कम हो जाती है और चारों ओर फूल खिलने लगते हैं। फिर गर्मी की ऋतु आती है जो मई से अगस्त तक रहती है। इन्हीं महीनों में जापान में वर्षा होती है। याद करो, जुलाई-अगस्त में अपने प्रदेश में भी बारिश होती है। गर्मी में ही जापान में खेती का काम भी शुरू होता है। सितंबर और अक्टूबर के महीनों में हल्की ठंड शुरू हो जाती है। पेड़ो पर पत्ते लाल-पीले

मानचित्र 2. जापान

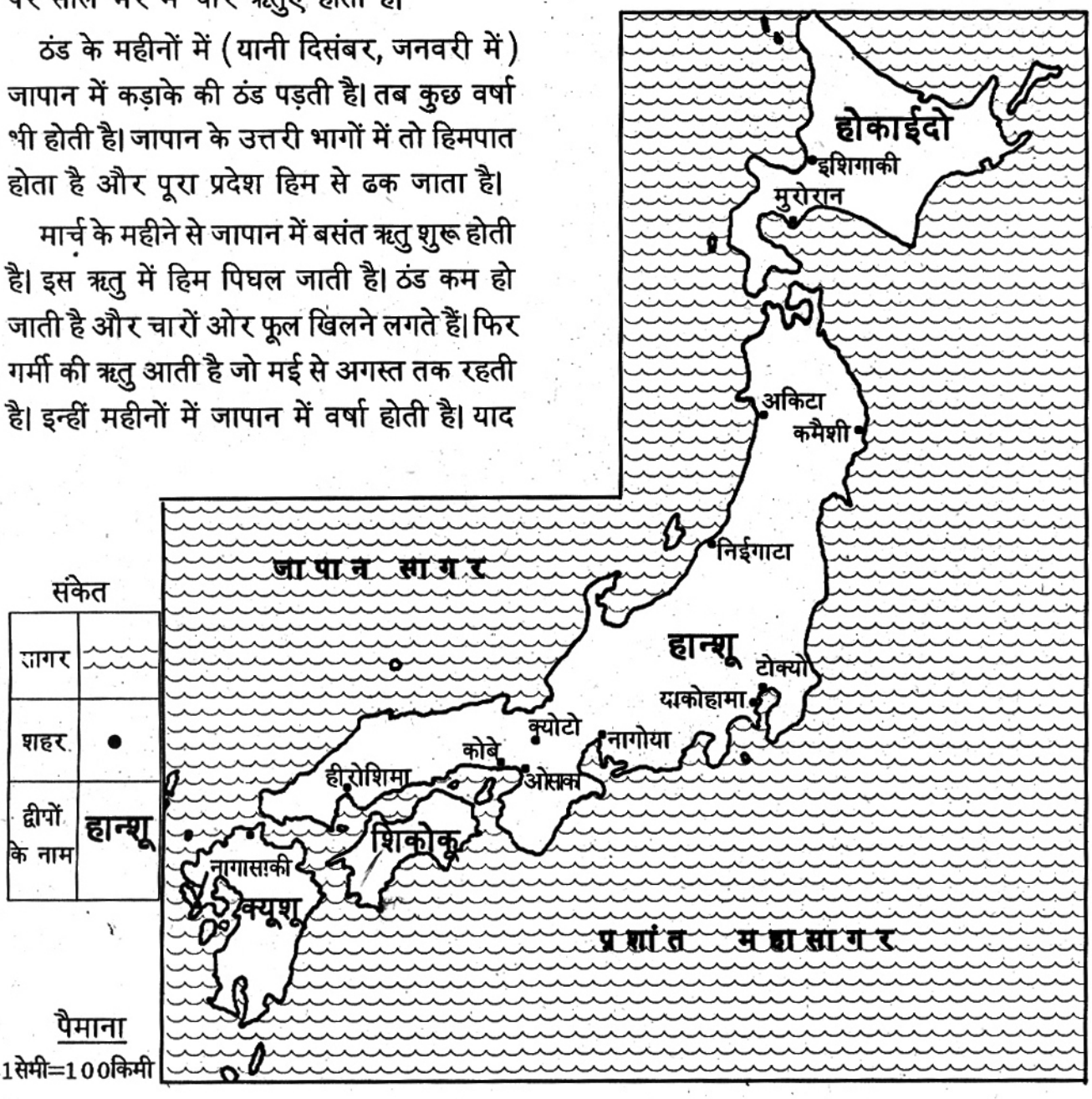

हो जाते हैं और हवा के झोंकों के साथ झड़ने लगते हैं। यह पतझड़ का मौसम है। इस मौसम में फसल पक कर कटने के लिए तैयार हो जाती है।

तुमने यह भी ध्यान दिया होगा कि जापान में इंडोनेशिया की तरह साल भर वर्षा नहीं होती है। फिर भी सागरों से घिरे होने के कारण जापान में कभी भी सूखा मौसम नहीं होता है। नमी बनी रहती है।

तो ये हैं जापान के चार मौसम।

इंडोनेशिया में साल भर ..... मौसम होता है जबकि जापान में ..... मौसम होते हैं। (एक, चार)

इंडोनेशिया में .... गर्मी रहती है जबकि जापान में .... गर्मी रहती है। (साल भर, कुछ महीने)

जापान में खेतों में काम .... ऋतु में शुरू होता है और ... ऋतु में फसल पक जाती है।

जापान में वर्षा .... ऋतु में होती है।

गर्मी और सर्दी के मौसम तो अपने यहां मध्य-प्रदेश में भी होते हैं। पर जापान की जलवायु मध्य-प्रदेश से भी भिन्न है।

ग्लोब व नक्शे में देखो कि पृथ्वी पर जापान कहां है और मध्यप्रदेश कहां है?

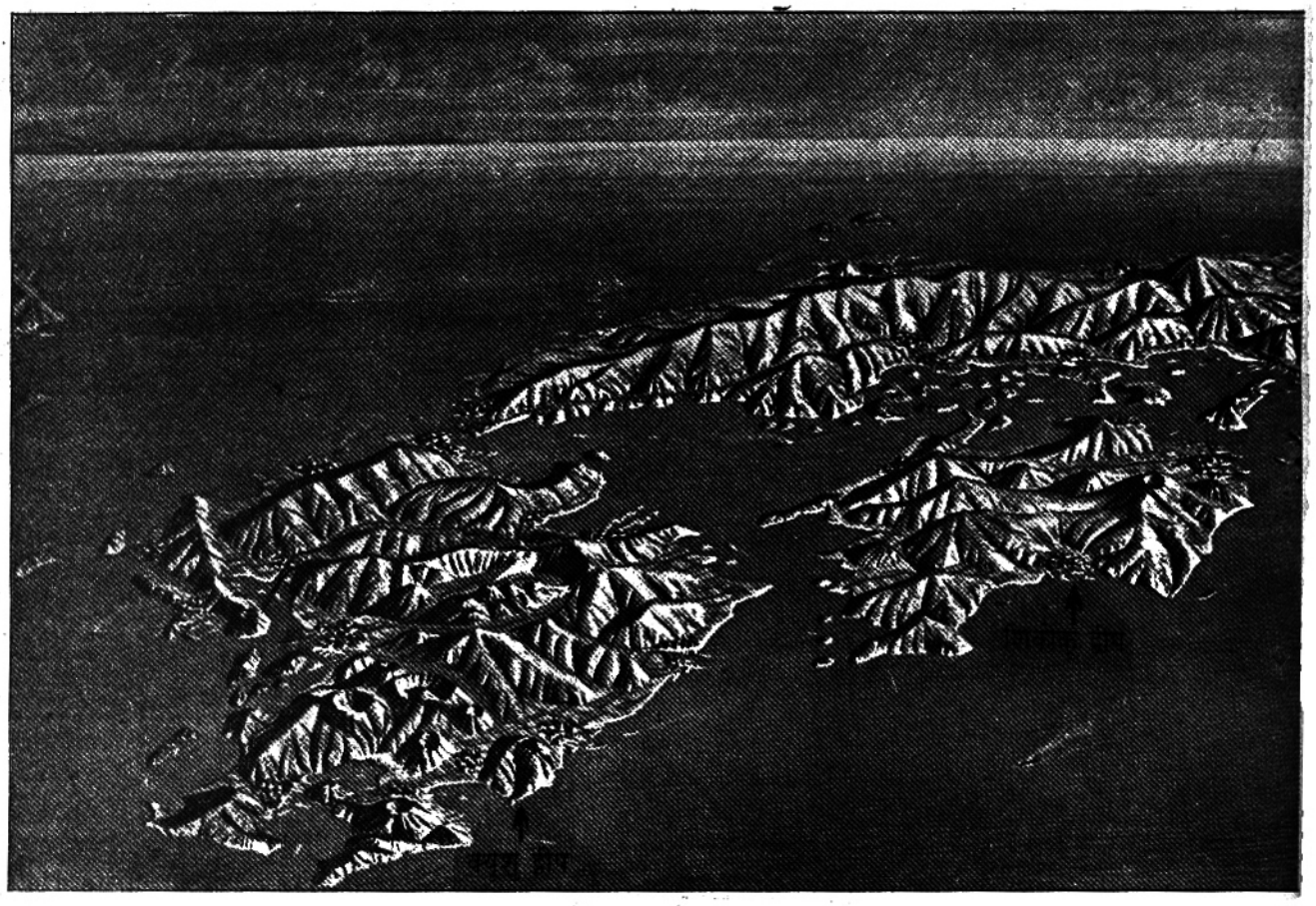

भूमध्य रेखा के ज़्यादा निकट कौन सा क्षेत्र है?

अब बताओ कि जाड़े के मौसम में ज़्यादा ठंड कहां पड़ेगी? गर्मी के मौसम में अधिक गर्मी कहां होगी? मध्यप्रदेश में या जापान में?

यहां भी पहाड़ और ज्वालामुखी

जापान देश दिखता कैसा है?

इसका अन्दाज़ा तुम चित्र 2 को देखकर लगा सकते हो। इस चित्र में जापान के पर्वत, घाटी, मैदान आदि दिखाई देते हैं।

इस चित्र को देखकर तुम्हें नीचे दिए गए वाक्यों में से कौन से वाक्य सही लगते हैं?

1. जापान द्वीपों का देश है।

2. जापान पहाड़ों का देश है।

3. जापान एक पठार है।

4. जापान एक चौड़ा मैदानी देश है।

5. जापान में जावा की तरह ज्वालामुखी हैं।

चित्र में ज्वालामुखी पहचानो और उन पर 'ज' लिखो।

इस चित्र को देखकर बताओ कि जापान के लोग कहां बस कर रहते होंगे? सब ओर तो पहाड़ ही

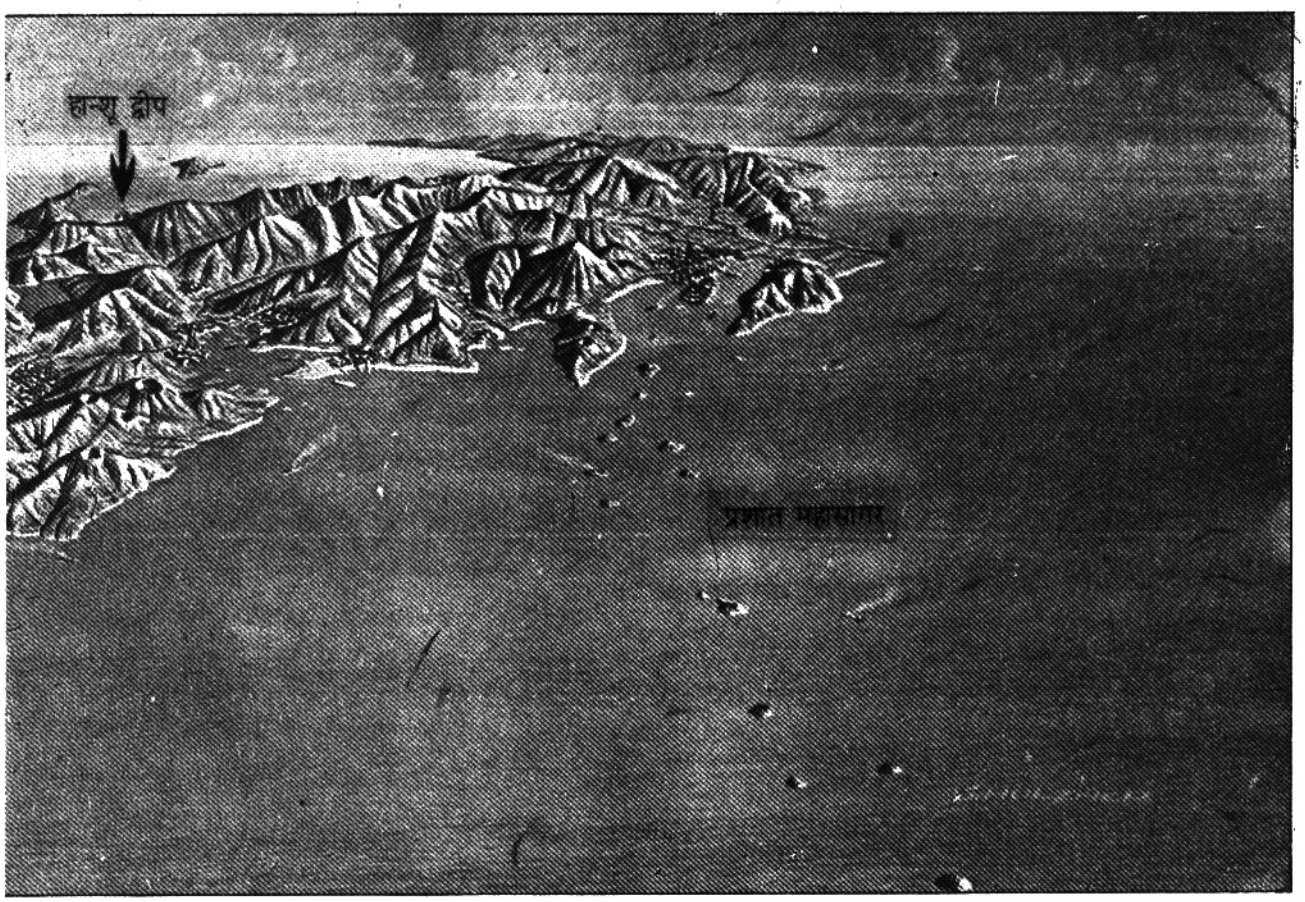

पहाड़ हैं। पर ध्यान से देखो। पहाड़ों के नीचे और समुद्र के किनारे छोटे-छोटे मैदान हैं।

इन मैदानों को पहचानो और इनके आगे 'म' का निशान लगाओ।

इन्हीं मैदानों में अधिकांश खेती होती है और गांव बसे हैं। यहीं पर बड़े-बड़े शहर भी स्थित हैं। जापान के घनी आबादी वाले इलाके भी यही मैदान हैं।

जापान के नक्शे में (मानचित्र 1) देखो, किस द्वीप पर कौन-कौन से शहर बसे हैं। हर द्वीप के प्रमुख शहरों के नाम लिखो।

वन

जापान में बहुत पहाड़ हैं, यह तुमने देखा। अधिकतर पहाड़ वनों से ढके हैं।

3. कोणधारी पेड़ और सुईनुमा पत्ति

चित्र में वहां के कुछ पेड़ देखो। अपने आसपास तो ऐसे पेड़ नहीं पाये जाते हैं, लेकिन हिमालय पर्वत पर ऐसे वन ज़रूर होते हैं। जिन इलाकों में मौसम साल भर बहुत ठंडा रहता है, वहां ऐसे पेड़ पाए जाते हैं। इन पेड़ों की पत्तियां लंबी व नुकीली सुई जैसी होती हैं। इन्हें कोणधारी पेड़ भी कहते हैं।

जापान में ऐसे पेड़ ऊंचे पहाड़ों और होकाईदो द्वीप पर पाये जाते हैं। यहां साल भर मौसम ठंडा रहता है और बर्फ भी गिरती है। पर, हर जगह ऐसे पेड़ नहीं होते।

4. ठंडे प्रदेश के चौड़ी पत्ती वाले पेड़

जिन हिस्सों में कुछ हल्की ठंड का मौसम रहता है वहां ठंडे प्रदेश के चौड़ी पत्ती वाले पेड़ होते हैं। अपना प्रदेश तो गर्म प्रदेश है। यहां उगने वाले नीम, पीपल आदि गर्म प्रदेश के पेड़ कहलाते हैं। जापान के वनों में बर्च, मेपल आदि के वृक्ष होते हैं। ये ठंडे प्रदेश के चौड़ी पत्ती वाले पेड़ हैं। इन वनों में पतझड़ के मौसम में सारे पत्ते झड़ जाते हैं। फिर, पूरे जाड़े में पेड़ ठूंठ जैसे खड़े रहते हैं। मार्च में नई कोपलें फूटती हैं और पेड़ फिर पत्तियों से लद जाते हैं। इन पेड़ों की पत्तियां चौड़ी होती हैं।

नुकीली पत्ती के पेड़ कहां होते है?

जापान में खेती

अब चलो जापान के पहाड़ों और जंगलों को छोड़कर वहां के खेतों को देखें। चित्र 7 में सपाट मैदान दिख रहा है। उसके किनारे पहाड़ खड़े हैं। तुम्हें मैदान में पानी से भरे खेत तो ज़रूर दिख रहे होंगे।

इनमें क्या उगता होगा?

जापान में मैदान इतने छोटे हैं और वहां की आबादी इतनी ज़्यादा है कि लोग पहाड़ों की ढलानों पर भी खेती करते हैं। पथरीली और बहुत ढलानी ज़मीन पर तो खेती नहीं हो सकती। इसलिए जिन पर्वतीय ढलानों पर थोड़ी मिट्टी है, उन्हें काटकर छोटे-छोटे सीढ़ीनुमा खेत बना लिए जाते हैं।

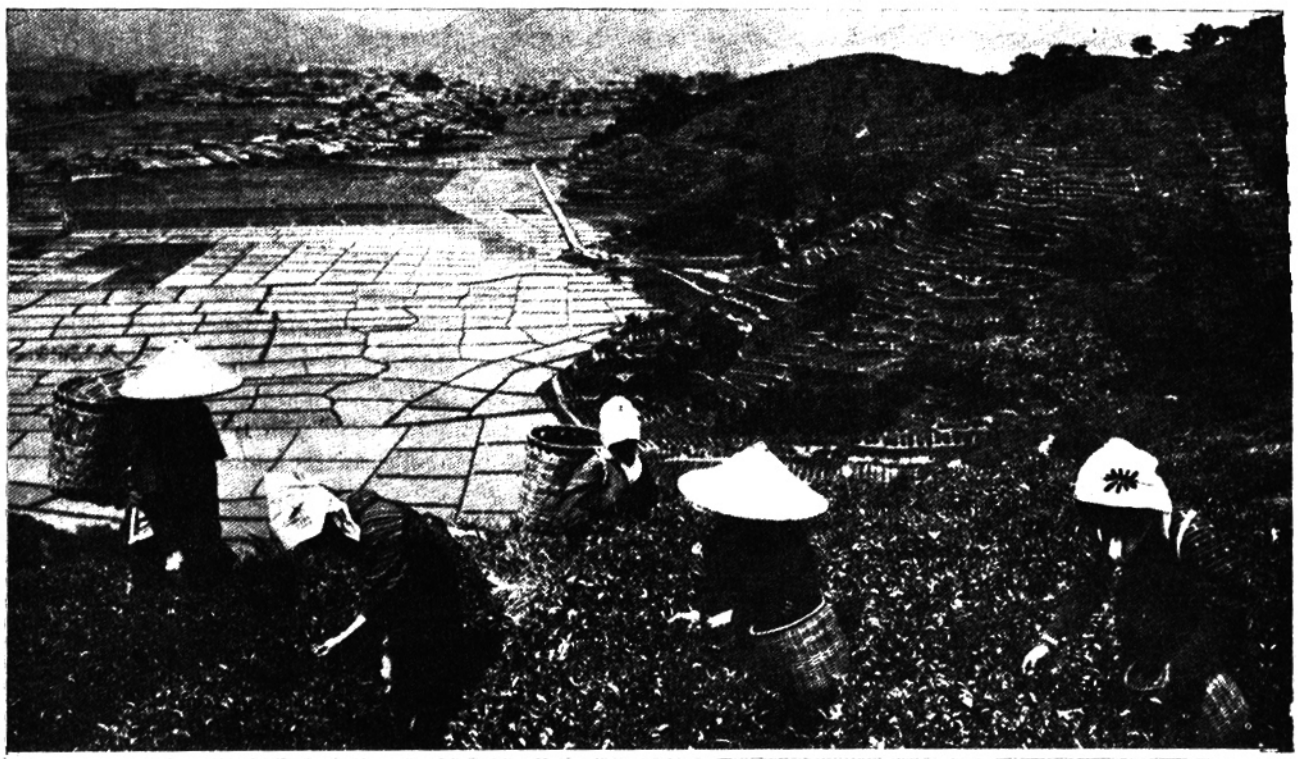

चित्र 5. जापान में पहाड़ की ढ़लानों और समतल ज़मीन पर खेती

चित्र में तुम एक पहाड़ पर ऐसे सीढ़ीनुमा खेत देख पा रहे हो। इंडोनेशिया में भी इस तरह के सीढ़ीनुमा खेतों की बात तुमने पढ़ी है। चित्र में एक पहाड़ पर कुछ औरतें काम कर रही दिखती हैं।

क्या तुम अंदाज़ लगा सकते हो कि वे क्या कर रही हैं?

इस पहाड़ की ढलान पर क्या उगा है?

जापान में पहाड़ों की ढलानों पर चाय खूब उगाई जाती है। चाय के पौधों के लिए बहुत सा पानी गिर के बह जाना चाहिए। इसलिए ढलान पर ये अच्छे उगते हैं।

ढलानों पर कई प्रकार के फलदार पेड़ भी लगाए जाते हैं। शहतूत के पेड़ भी बहुत उगाए जाते हैं। इनकी पत्तियां खाकर रेशम की इल्लियां पलती हैं। इल्लियां अपने चारों ओर रेशम के धागे की गोलियां बना लेती हैं। इन्हें ककून कहते हैं। इस धागे से रेशमी कपड़ा बनता है। जापान में रेशम काफी मात्रा में बनाया जाता है।

यह तो रही पहाड़ी ढलानों पर उगने वाले पेड़-पौधों की बात। अब आओ पता करें कि जापान के निचले मैदानों में क्या-क्या फसलें ली जाती हैं।

जून से सिंतबर तक बारिश के साथ-साथ जापान के दक्षिणी भागों में तेज धूप भी पड़ती है। इन महीनों में जापान में धान की खेती खूब होती है। अपने यहां भी धान इन्हीं महीनों में उगाया जाता है। जापान के दक्षिणी द्वीपों में धान की खूब खेती होती है। जापान के उत्तरी भागों में धान की खेती कम होती जाती है। इसका कारण है कि उत्तरी भागों में गर्मी कम पड़ती है और वर्षा भी कम होती है। कुछ ठण्डे भागों में भिन्न किस्म का चावल होता है। अन्य फसलें जैसे गेहूं, जौ, राई तथा आलू आदि

अन्य सब्ज़ियां भी उगाई जाती हैं। ये फसलें उन भागों में होती हैं जहां कठिन जाड़ा नहीं होता और खेती हो सकती है।

छोटे किसान, छोटे खेत और छोटी मशीनें

जापान के अधिकांश किसान छोटे किसान हैं और उनके पास बहुत कम ज़मीन है। अधिकांश किसानों के पास एक हेक्टेयर से भी कम ज़मीन है। इस कारण वहां खेत बहुत छोटे-छोटे होते हैं। सीढ़ीनुमा होने के कारण भी खेत छोटे होते हैं।

यहां तीन चित्र दिये गये हैं। इनमें देखो खेत जोतने, धान को रोपने और काटने के लिए कैसी मशीनों का उपयोग किया जा रहा है। ये मशीनें छोटे खेतों को ध्यान में रखते हुये बनायी गयी हैं।

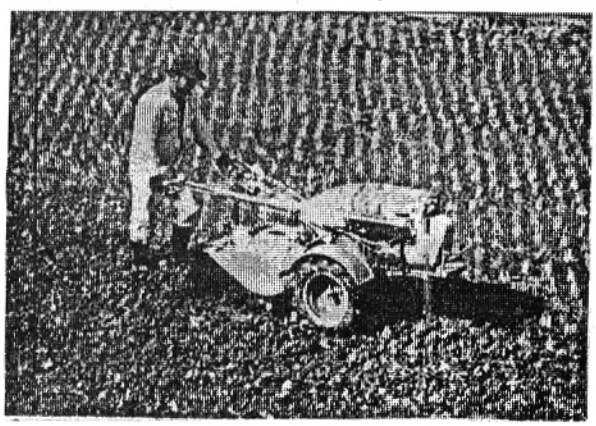

चित्र. 6 खेत जोतने की मशीन

चित्र 7. धान रोपने की मशीन

इन छोटी मशीनों को छोटे-छोटे खेतों पर कोई भी एक व्यक्ति चला सकता है। आमतौर पर खेत जोतने, बोने, रोपने और काटने में बहुत लोग लगते हैं। मगर इन चित्रों में देखो, पूरी खेती का काम एक ही आदमी मशीनों की मदद से कर रहा है। जापान में खेती का सारा काम मज़दूर लगाए बिना किसान खुद कर लेता है।

दो कारण बताओ कि जापान में ट्रेक्टर और हार्वेस्टर जैसी बड़ी मशीनें क्यों नहीं होती हैं।

सोचकर बताओ कि अपने देश के छोटे किसान जापान के किसानों की तरह छोटी मशीनों का उपयोग क्यों नहीं करते हैं।

मशीनों से खेती होने के कारण जापान में खेती में काम करने के लिये बहुत कम लोगों की ज़रूरत है। वहां के अधिकतर लोग कारखानों में काम करते हैं। बहुत कम लोग खेतों में काम करते हैं। कारखानों में ऊंची तंख्वाह मिलने के कारण अधिकतर लोग उनमें काम करते हैं। किसानों के परिवारों में भी एक आदमी को छोड़कर बाकी सब कारखानों में काम करते हैं।

चित्र 8. कटाई की मशीन

फिर भी अनाज की कमी!

जापान के खेतों में खूब अच्छी फसल होती है। फिर भी देश के सारे लोगों के लिये इनसे पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाता है। जापान में लोग अधिक हैं, और खेतों में उपजा अनाज पूरा नहीं पड़ता। इतने सारे लोगों के भोजन के लिए अनाज, मांस, दूध, आदि विदेशों से मंगाया जाता है।

खेतों में अच्छी उपज होते हुये भी जापान में अनाज की कमी क्यों होती होगी?

जापान की खेती के बारे में चार महत्वपूर्ण बातें बताओ।

जापान में खेतों पर काम करने के लिए मज़दूरों की ज़रूरत क्यों नहीं होती है?

मछली पकड़ना

जापान के चारों तरफ समुद्र ही समुद्र हैं। इनमें मछलियां बहुतायत से होती हैं। इसलिए यहां मछली पकड़ने का अच्छा, बड़ा धन्धा है। समुद्र में नावों द्वारा आने-जाने में भी सुविधा होती है। एक किनारे की बस्ती से दूसरे किनारे की बस्ती तक लोग आसानी से पहुंच जाते हैं। बड़े जलयानों में बैठकर यहां के लोग दूर तक समुद्र में मछली पकड़ने जाते हैं। (चित्र 9) इन जलयानों में मछली पकड़ने के सभी सुविधाजनक यंत्र लगे होते हैं।

यहां मछलियों पर आधारित कई उद्योग लगे हैं। इनमें मछलियों को डिब्बों में बंद करके बेचने के लिए तैयार किया जाता है, और उनसे तेल भी निकाला जाता है। यह तेल कई बीमारियों के इलाज में काम आता है। जापान दूसरे देशों को डिब्बों में बंद मछली और मछली का तेल बेचता है।

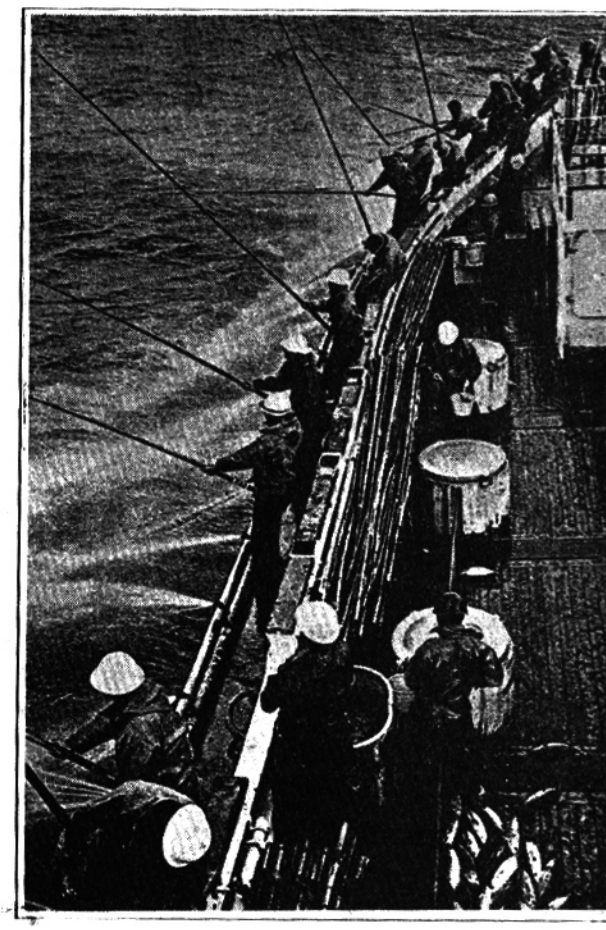

चित्र 9: इस जहाज़ में मछलियां तो पकड़ी जाती ही हैं, साथ ही उन्हें सुखाकर डिब्बों में बंद करने और उनका तेल निकालने जैसे काम भी होते हैं

जापान में उद्योग

जापान के मैदानों और पहाड़ों और समुद्री किनारों को हमने देख लिया, और वहां के जंगलों व खेतों की बात भी कर ली। अब जापान के कारखानों के बारे में कुछ जानें। जापान अपने कारखानों के लिए बहुत प्रसिद्ध है। यहां कई तरह के कारखाने हैं। मानचित्र 3 में जापान के प्रमुख औद्योगिक केन्द्रों की जानकारी दी गई है। वहां कौन से उद्योग हैं यह भी दिखाया है।

टोक्यो जापान की राजधानी है। उससे लगभग जुड़ा हुआ याकोहामा नगर है। मानचित्र में देखो यहां कितने उद्योग लगे हैं।

मानचित्र 2 को देखकर बताओ कि इन शहरों के आसपास कौन-कौन से उद्योग लगे हैं।

टोक्यो-याकोहामा -

कोबे-ओसाका -

कीटाक्यूशू -

कच्चे माल की समस्या

जापान में तरह-तरह के उद्योग विकसित हैं। लेकिन इनके लिए अधिक कच्चा माल यहां नहीं मिलता।

जापान में कुछ खनिज, जैसे - कोयला, लोहा, तांबा, आदि अवश्य वहीं की खदानों से निकाला जाता है। पर बहुत सा कच्चा माल विदेशों से मंगाना पड़ता है। उसके बदले में तरह-तरह की बनी हुई चीज़ें जापान दूसरे देशों को भेजता है।

मानचित्र 3. जापान के उद्योग

(इस मानचित्र में होकाईदो द्वीप नहीं दिखाया गया है)

(पैमाना 1 से.मी. = 125 कि. मी.)

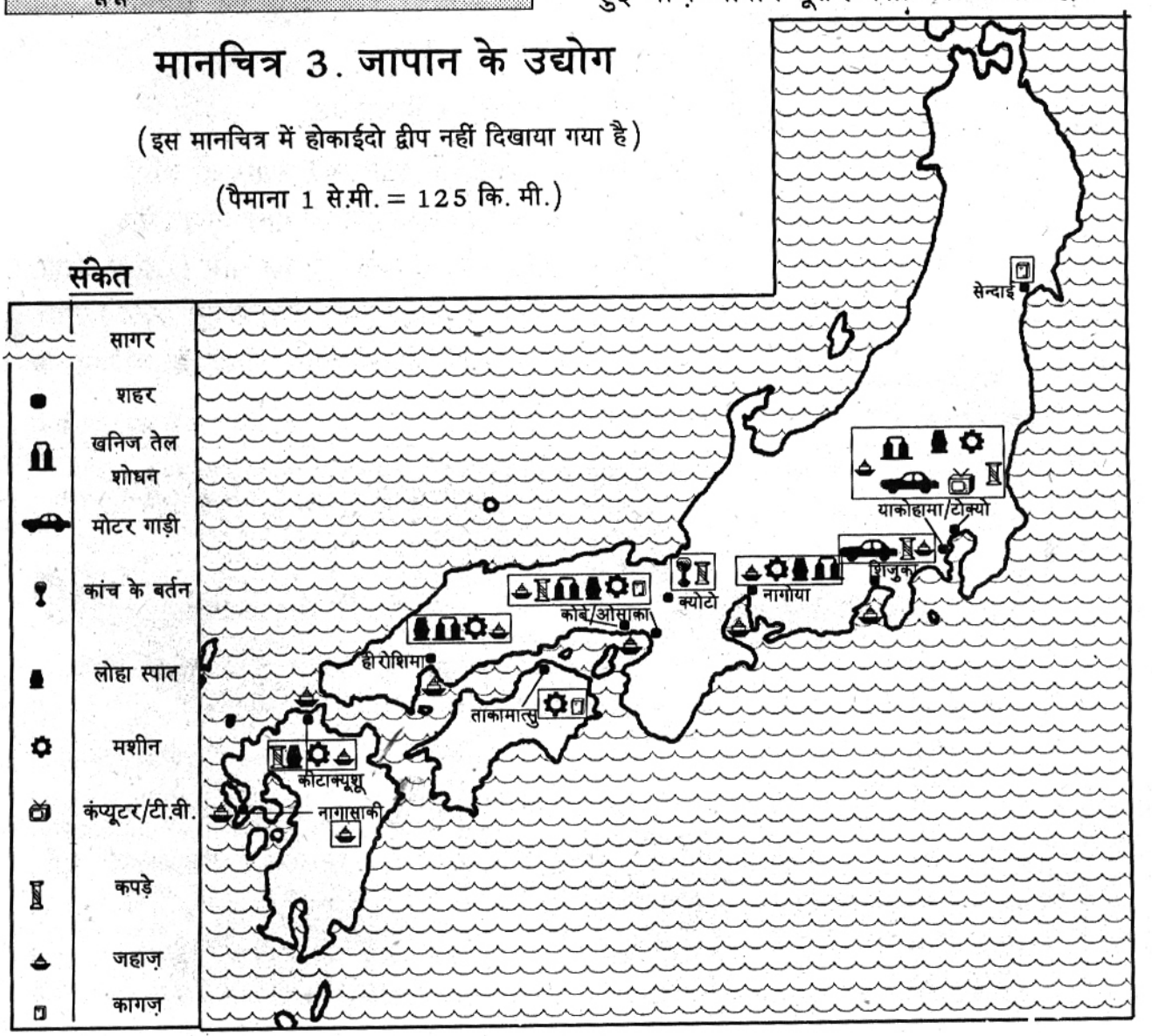

नीचे दी गई तालिका को भरो-

आयात (दूसरे देशों से खरीदा माल)	*ये चीज़ें जापान किस लिये मंगाता है- ईंधन के लिए / भोजन के लिए / उद्योग के लिए*
1. खनिज तेल	
2. पेट्रोल	
3. तांबा	
4. टिन	
5. खनिज लोहा	
6. कोयला	
7. कपड़ा	
8. मांस	
9. चारा	
10. रूई	
11. सोयाबीन	
12. गेहूं	
13. लकड़ी	

जापान खाने की कौन सी चीज़ें दूसरे देशों से मंगाता है? क्या ये चीज़ें जापान में नहीं होतीं? जापान को खनिज, पेट्रोल, तांबा, कोयला, दूसरे देशों से क्यों मंगाना पड़ता है? ये खनिज किस काम आते हैं?

दूसरे देशों से मंगाये गये खनिजों से जापान के लोग मोटर गाड़ी, इस्पात, जहाज़, मशीनें, टी.वी. टेपरिकार्डर, कंप्यूटर, कपड़े, प्लास्टिक की चीज़ें आदि बनाते हैं। इन चीज़ों को जापान के लोग विदेशों में बेचते हैं।

व्यापार पर निर्भर देश

जापान में इतने सारे उद्योग तो लगे हैं, लेकिन इनके लिए ज़रूरी कच्चा माल जापान में बहुत कम मिलता है। ज़्यादातर कच्चा माल (खनिज लोहा, तांबा, कोयला, खनिज तेल, कपास आदि) बाहर दूसरे देशों से मंगवाया जाता है। जापान के

चित्र 10. मोटर गाड़ी का कारखाना

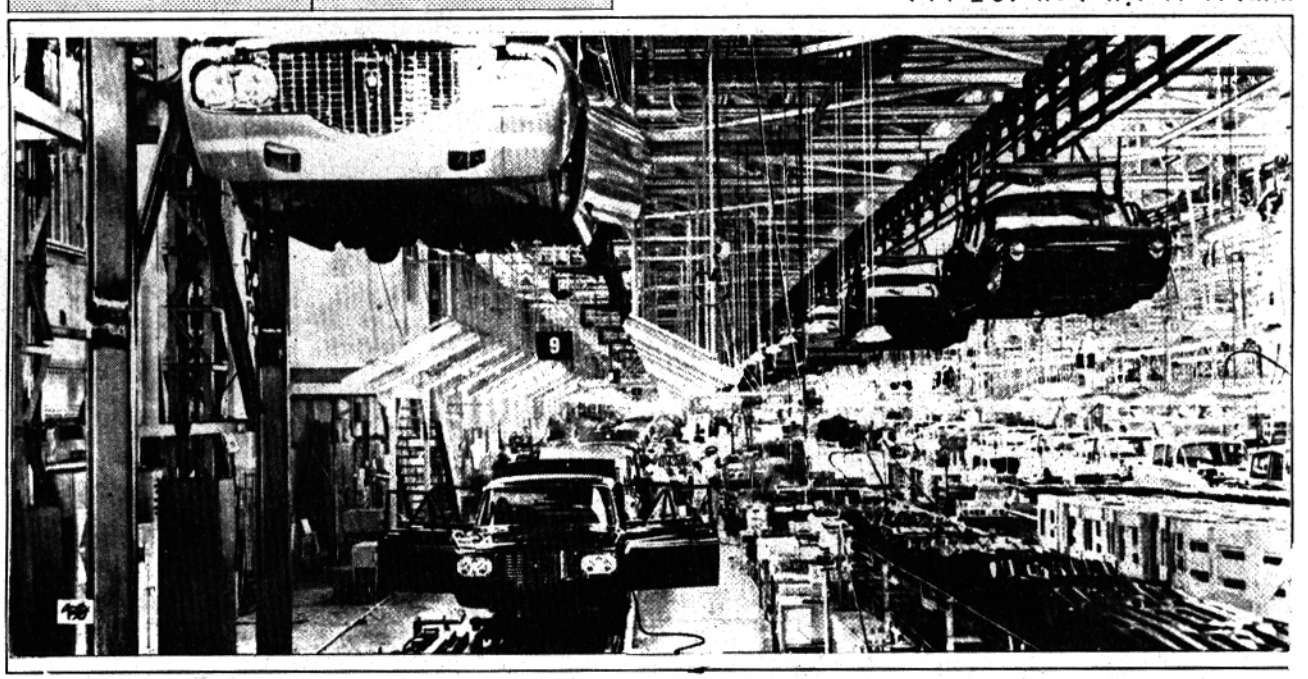

उद्योगपति पूरी दुनिया से सस्ते में कच्चा माल खरीद कर अपने कारखानों में तरह-तरह की चीज़ें बनाते हैं और वापिस दूसरे देशों में उन्हें बेचते हैं। इस प्रकार जापान के लोग दूसरे देशों की संपदा का फ़ायदा उठा पाते हैं।

तुम्हें याद होगा कि जापान के लोगों के लिए वहां उगने वाला अनाज कम पड़ता है, और वे बाहर से अनाज मंगवाते हैं। इस अनाज के बदले में उन देशों को जापान के लोग कारखानों में बनी चीज़ें बेचते हैं। अगर जापान का विदेशों से व्यापार बन्द हो जाये तो उन्हें भोजन भी पर्याप्त नहीं मिल पायेगा।

यातायात - रेल और जहाज़

बाहर से आने वाले माल को कारखानों तक पहुंचाने और बने हुए माल को बाहर भेजने के लिए जापान में परिवहन सुविधा बहुत ज़रूरी है। वहां सड़कें और रेल मार्ग बहुत अच्छे हैं। रेल गाड़ियां तो खूब तेज़ चलती हैं।

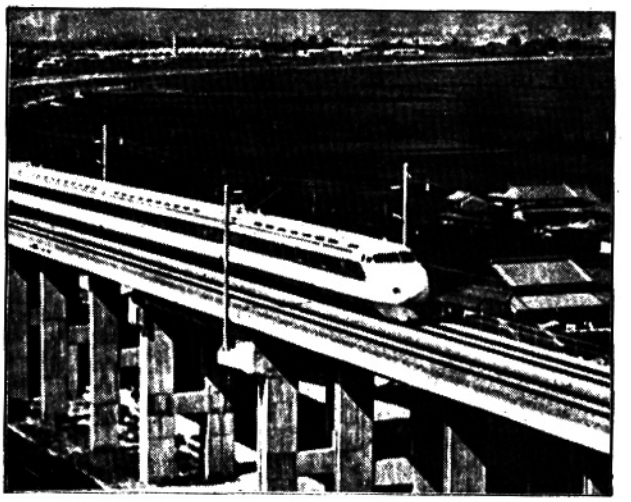

चित्र 12. बहुत तेज़ चलने वाली रेल

जापान का तट कितना कटा-फटा है, नक्शे में देखो। इसमे कई **खाड़ियां** हैं। (चित्र 11) खाड़ी समुद्र के उस हिस्से को कहते हैं जो तीन तरफ से स्थल से घिरा होता है। भारत के तट पर भी कई खाड़ियां हैं, जैसे खम्बात की खाड़ी।

मानचित्र 1 में जापान के तट पर पांच खाड़ियां पहचानकर वहां 'ख' लिखो।

जापान की खाड़ियों में अच्छे बंदरगाह हैं। अच्छे बन्दरगाह के लिए किनारे पर गहरा पानी होना चाहिए जहां जहाज़ रुक सकें। थल से घिरा होने के कारण वहां तेज़ हवा, **तूफान** और **ज्वार-भाटा** से भी बचाव हो सके। अगर तुम उद्योग के मानचित्र को देखो तो पाओगे कि जापान के अधिकतर उद्योग खाड़ियों के किनारे लगे हैं।

जापान में उद्योगों में काम करने वाले लोगों की संख्या बहुत अधिक है। गांव के लोग भी शहरों के कारखानों में ही काम करते हैं। सब लोग दूर-दूर तक यात्रा करके अपने कारखानों में पहुंचते हैं।

चित्र 11. शिकोकू द्वीप के दक्षिण में स्थित एक खाड़ी और बंदरगाह

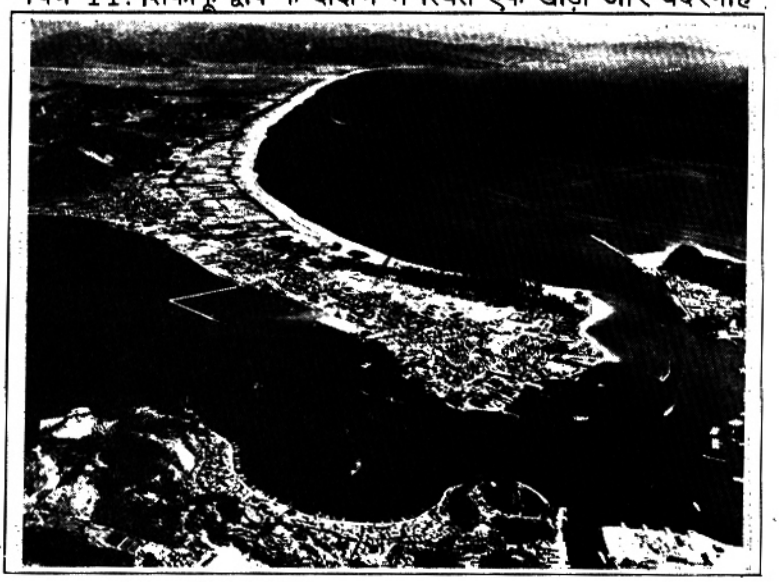

इस तरह हज़ारों लोग शहर में अपने रहने की जगह से कारखानों में काम करने जाते हैं, और घर लौटते हैं। इसके लिए भी मोटर गाड़ियों और रेलगाड़ियों की सुविधा बहुत ज़रूरी है।

चित्र 13. एक औद्योगिक क्षेत्र

उद्योगों के कारण समस्यायें

तुमने देखा कि जापान में बहुत ही छोटे इलाके में बहुत सारे कारखाने हैं। इन कारखानों के कारण आसपास की हवा और पानी में प्रदूषण फैलता है। कारखाने धुंआ छोड़ते हैं, जिसमें विषैली गैसें मिली रहती हैं। कारखानों से गंदा पानी निकलता है जो आस-पास के नदी-नालों और सागर तक को गंदा कर देता है। बहुत सारे उद्योग पास-पास होने के कारण यह समस्या और गंभीर हो गयी है।

इस तरह के प्रदूषण से मनुष्य और जानवरों को तरह-तरह की बीमारियां हो जाती हैं। कुछ वर्ष पहले मिनिमाटा नाम के शहर के लोगों को एक अजीब बीमारी होने लगी। उनको एक तरह का लकवा मारने लगा। 1969 में करीब 45 लोग इस बीमारी के कारण मरे। खोजबीन करने पर पता चला कि वहां का एक कारखाना पानी में ज़हरीली चीज़ें छोड़ रहा है। उस पानी में पलने वाली मछलियां उसे खाकर खुद ज़हरीली हो गयीं हैं। जिन लोगों ने इन मछलियों को खाया उन्हें लकवे की यह बीमारी होने लगी। इस बीमारी को आज मिनिमाटा बीमारी कहते हैं।

इसी तरह एक और कारखाने से ज़हरीले पदार्थ नदी में मिलते गये। इस नदी के पानी से धान के खेतों को सींचने पर धान भी ज़हरीला हो गया। जिन लोगों ने उस चावल को खाया उनकी हड्डियों में दर्द रहने लगा और वे धीरे-धीरे मरने लगे।

इस तरह आजकल जापान में प्रदूषण की बीमारी बढ़ रही है।

जापान के लोग

जापान में बड़े-बड़े नगर हैं जिनमें अनेक कारखाने हैं। भूमि की कमी के कारण नगर बहुत घने बसे हैं। घर भी अधिकतर छोटे-छोटे होते हैं। उनमें कुर्सी-मेज आदि सामान अधिक नहीं होता।

लोग छोटी मेज के चारों ओर बैठकर खाना खाते हैं। चटाइयों पर बिस्तर बिछाकर सोते हैं। वहां के घरों के अन्दर का दृश्य चित्र 14 में देखो।

चित्र 14. घर के अंदर लोग चटाई बिछाकर सोते हैं।

जापानी लोगों की परम्परागत पोशाक का नाम किमोनो है। अब पश्चिमी देशों के प्रभाव से जापान में औरतें फ्राक पहनने लगी हैं और आदमी कोट-पेन्ट पहनने लगे हैं। जापान की भाषा जापानी है। जापानी लोग बौद्ध धर्म और शिन्टो नाम के धर्म को मानते हैं।

भूकंप

जापान में भूकंप बहुत आते हैं। पृथ्वी के भीतर की चट्टानें खिसकने से सतह में कंपन होता है। इसे भूकंप कहते हैं। जब भूकंप होता है तब ज़मीन तेज़ी से हिलने लगती है। मकान की दीवारें हिलने लगती हैं। पेड़ उखड़ जाते हैं। मकान, सड़क, रेलमार्ग, बिजली के खंभे, आदि टूट जाते हैं।

पहले तो जापान में लोग लकड़ी के मकान बनाते थे। लकड़ी के मकान भूकंप के धक्के से हिल उठते हैं पर जल्दी टूटते नहीं। जबकि, कांक्रीट के मकानों में आसानी से दरारें पड़ जाती हैं।

भूकंप से टूट जाने पर लकड़ी के मकानों से ज़्यादा खतरा व नुकसान नहीं रहता। उसी लकड़ी से दुबारा मकान बनाया जा सकता है। सोचो, अगर कांक्रीट के मकान बार-बार ढह जाएं तो लोगों को कितना खतरा और नुकसान होगा। अब, जापान के लोग ऐसे पक्के मकान बनाने लगे हैं जो भूकंप के धक्के से आसानी से टूटते नहीं हैं।

चित्र 15. भूकंप के बाद

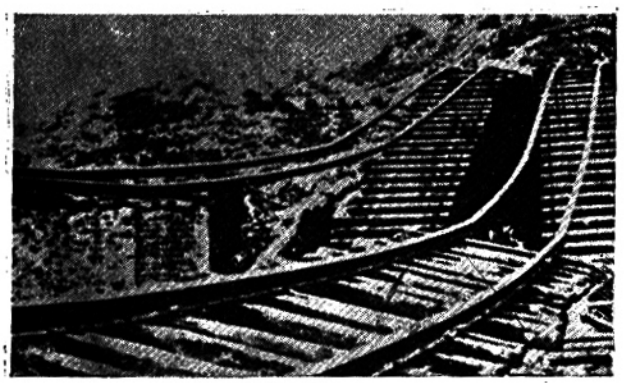

अभ्यास के प्रश्न

1. जापान की चार ऋतुएं कौन सी हैं?

   क) हर ऋतु पर दो वाक्य लिखो।

   ख) जापान की ऋतुओं की तुलना अपने यहां की ऋतुओं से करते हुए समानता व अन्तर समझाओ।

2. जापान की ऋतुएं इंडोनेशिया से बहुत अलग है, पर अपने यहां की ऋतुओं से थोड़ी समानता है। इस का क्या कारण हो सकता है?

3. तुमने पहाड़ों पर खेती के बारे में कई पाठों में पढ़ा हैं। पाहवाड़ी में, इंडोनेशिया में और जापान में भी।

   पहाड़ों पर किस तरह की खेती की जाती है? वहां खेती करने में क्या दिक्कते हैं? वहां कौन-कौन सी चीज़ें पैदा होती हैं? इन सब पर 10-15 वाक्य लिखो।

4. जापान के उद्योगों के बारे में चार महत्वपूर्ण बातें लिखो।

5. इस पाठ में कितने उपशीर्षक हैं, गिन कर बताओ।

   जापान के उत्तरी भाग में कौन सी फसलें होती हैं - इसका उत्तर किस उपशीर्षक के नीचे मिलेगा?

6. खाड़ी किसे कहते हैं और इनका क्या महत्व है - सिर्फ चार वाक्यों में लिखो।